



हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रमस्य अध्यायानुसारम् अङ्कानां विभाजनं च (2023-24)

कक्षा - द्वादशी

विषयः - संस्कृतम्

कोडः - 526

सामान्यनिर्देशाः -

1. सम्पूर्णपाठ्यक्रमस्य आधारे एका वार्षिकी परीक्षा भविष्यति।
2. वार्षिकी परीक्षा 80 अङ्कानां भविष्यति एवञ्च आन्तरिकं मूल्याङ्कनं 20 अङ्कानां भविष्यति।
3. आन्तरिकमूल्याङ्कनस्य कृते निम्नानुसारम् आवधिकं मूल्याङ्कनं भविष्यति :-
 - (i) **6 अङ्कानां कृते** - द्वयोः सैट (SAT) इत्यनयोः पूर्वबोर्डपरीक्षाणाञ्च आयोजनं भविष्यति। तासु परीक्षासु अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने 4+2=06 अङ्कानां भाराङ्को भविष्यति।
 - (ii) **2 अङ्कयोः कृते** - एका अर्द्धवार्षिकी परीक्षा भविष्यति। यस्याः अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने 2 अङ्कयोः भाराङ्को भविष्यति।
 - (iii) **2 अङ्कयोः कृते** - शिक्षकाः कक्षा-कक्षयोः सहभागितायाः (CRP) कृते मूल्याङ्कनं करिष्यन्ति एवञ्च अधिकतमौ द्वौ अङ्कौ अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने दास्यन्ति।
 - (iv) **5 अङ्कानां कृते** - छात्राः परियोजनाकार्यं करिष्यन्ति। यस्य अन्तिमान्तरिकमूल्याङ्कने 05 अङ्कानां भाराङ्को भविष्यति।
 - (v) **5 अङ्कानां कृते** - छात्राणाम् उपस्थितेः अनुसारेण अधिकतमाः 05 अङ्काः प्रदीयन्ते :-

| | | |
|-------------|---------------|-------------|
| 75% तः | 80% पर्यन्तम् | = 01 अङ्कः |
| 80% तः उपरि | 85% पर्यन्तम् | = 02 अङ्कौ |
| 85% तः उपरि | 90% पर्यन्तम् | = 03 अङ्काः |
| 90% तः उपरि | 95% पर्यन्तम् | = 04 अङ्काः |
| 95% तः उपरि | | = 05 अङ्काः |



पाठ्यक्रमस्य संरचना (2023-24)

कक्षा - द्वादशी

विषयः - संस्कृतम्

कोडः - 526

| क्रम-संख्या | आकलनबिन्दवः | अङ्काः | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-------------|---|--|----------------|-------------|--------|----|--------------------|--|---|----|----------------|--|---|----|------------|---|---|----|------------|---|---|----|--------------|---|---|----|------------|--|---|----|-------------------|--|---|----|------------------------------------|---|---|-----|----------------------|--|---|--|
| 1. | खण्डः 'क' अपठितावबोधनम् <ul style="list-style-type: none">अपठितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि यथानिर्देशं संस्कृतेन लिखत | 10 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2. | खण्डः 'ख' रचनात्मक-कार्यम् <ul style="list-style-type: none">निबन्धमेकमधिकृत्य षड्वाक्यानि संस्कृतभाषया लिखतछन्दाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लिखतअलङ्काराधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया लिखत | 6 6 6 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3. | खण्डः 'ग' पठित-अवबोधनम् (पाठ्यपुस्तकम्) <table border="1"><thead><tr><th>पाठसंख्या</th><th>पाठानां नामानि</th><th>आकलनबिन्दवः</th><th>अङ्काः</th></tr></thead><tbody><tr><td>1.</td><td>विद्ययाऽमृतमश्नुते</td><td><ul style="list-style-type: none">गद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसङ्गसरलार्थम्</td><td>4</td></tr><tr><td>2.</td><td>रघुकौत्ससंवादः</td><td><ul style="list-style-type: none">पद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसङ्गसरलार्थम्द्वयोः सूक्तयोः भावार्थं लिखत</td><td>4</td></tr><tr><td>3.</td><td>बालकौतुकम्</td><td>अथवा श्लोकस्य अन्वयं मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा पूरयत</td><td>4</td></tr><tr><td>4.</td><td>कर्मगौरवम्</td><td><ul style="list-style-type: none">गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन पूर्णवाक्येन लिखत</td><td>3</td></tr><tr><td>5.</td><td>शुकनासोपदेशः</td><td><ul style="list-style-type: none">श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन पूर्णवाक्येन लिखत</td><td>3</td></tr><tr><td>6.</td><td>सूक्तिसुधा</td><td><ul style="list-style-type: none">रेखाङ्कित / स्थूलपदानि आधृत्य कोष्ठकात् प्रश्ननिर्माणकरणम्</td><td>4</td></tr><tr><td>7.</td><td>विक्रमस्यौदार्यम्</td><td><ul style="list-style-type: none">कविपरिचयाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि</td><td>4</td></tr><tr><td>9.</td><td>कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्</td><td><ul style="list-style-type: none">रचनापरिचयाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि</td><td>4</td></tr><tr><td>10.</td><td>दीनबन्धुः श्रीनायारः</td><td></td><td>4</td></tr></tbody></table> | पाठसंख्या | पाठानां नामानि | आकलनबिन्दवः | अङ्काः | 1. | विद्ययाऽमृतमश्नुते | <ul style="list-style-type: none">गद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसङ्गसरलार्थम् | 4 | 2. | रघुकौत्ससंवादः | <ul style="list-style-type: none">पद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसङ्गसरलार्थम्द्वयोः सूक्तयोः भावार्थं लिखत | 4 | 3. | बालकौतुकम् | अथवा श्लोकस्य अन्वयं मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा पूरयत | 4 | 4. | कर्मगौरवम् | <ul style="list-style-type: none">गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन पूर्णवाक्येन लिखत | 3 | 5. | शुकनासोपदेशः | <ul style="list-style-type: none">श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन पूर्णवाक्येन लिखत | 3 | 6. | सूक्तिसुधा | <ul style="list-style-type: none">रेखाङ्कित / स्थूलपदानि आधृत्य कोष्ठकात् प्रश्ननिर्माणकरणम् | 4 | 7. | विक्रमस्यौदार्यम् | <ul style="list-style-type: none">कविपरिचयाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि | 4 | 9. | कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम् | <ul style="list-style-type: none">रचनापरिचयाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि | 4 | 10. | दीनबन्धुः श्रीनायारः | | 4 | |
| पाठसंख्या | पाठानां नामानि | आकलनबिन्दवः | अङ्काः | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | विद्ययाऽमृतमश्नुते | <ul style="list-style-type: none">गद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसङ्गसरलार्थम् | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2. | रघुकौत्ससंवादः | <ul style="list-style-type: none">पद्यांशस्य हिन्दीभाषया सप्रसङ्गसरलार्थम्द्वयोः सूक्तयोः भावार्थं लिखत | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3. | बालकौतुकम् | अथवा श्लोकस्य अन्वयं मञ्जूषातः उचितपदानि चित्वा पूरयत | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4. | कर्मगौरवम् | <ul style="list-style-type: none">गद्यांशं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन पूर्णवाक्येन लिखत | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5. | शुकनासोपदेशः | <ul style="list-style-type: none">श्लोकं पठित्वा प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन पूर्णवाक्येन लिखत | 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 6. | सूक्तिसुधा | <ul style="list-style-type: none">रेखाङ्कित / स्थूलपदानि आधृत्य कोष्ठकात् प्रश्ननिर्माणकरणम् | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 7. | विक्रमस्यौदार्यम् | <ul style="list-style-type: none">कविपरिचयाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 9. | कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम् | <ul style="list-style-type: none">रचनापरिचयाधारितानां प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 10. | दीनबन्धुः श्रीनायारः | | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4. | खण्डः - 'घ' अनुप्रयुक्त-व्याकरणम् <ul style="list-style-type: none">सन्धिः कारकस्य समासस्य च परिभाषां हिन्दीभाषया उदाहरणञ्च संस्कृतभाषया लिखत | 6 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 5. | खण्डः - 'ङ' बहुविकल्पीय-प्रश्नाः <ul style="list-style-type: none">पाठाधारित-अभ्यासात् - सन्धिः/ सन्धिच्छेदः, समासः/विग्रहः, प्रत्ययः संयोगः वियोगश्च, उपपदविभक्तिः, पर्यायपदम्, विलोमपदम्, विशेषण-विशेष्यपदम् | 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | योगः | 80 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | आन्तरिक-मूल्याङ्कनम् | 20 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | सम्पूर्णाङ्काः | 100 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |



प्रथमः पाठः - विद्ययाऽमृतमश्नुते

मन्त्राणां सस्वरगानस्य मन्त्राणार्थानां च भावार्थबोधनम्। अन्वयस्य ज्ञानप्रदानम्। वेदानां परिचयः हिन्दीभाषया। मन्त्रेषु आधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् एकपदेन पूर्णवाक्येन च उत्तरप्रदानस्य अभ्यासः। पाठे आगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां समुचितपदानां योजनस्य रिक्तस्थानपूर्तेः सन्धि-प्रत्ययानाञ्च ज्ञानप्रदानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।

द्वितीयः पाठः - रघुकौत्ससंवादः

पाठपरिचयः कविपरिचयः पद्यवाचनस्य अभ्यासः पद्यांशस्य सरलार्थज्ञानम् अन्वयस्य ज्ञानप्रदानम्। पद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणां च अभ्यासः। प्रश्ननिर्माणस्य अभ्यासकार्यम्। पाठे आगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां समासानां समुचितपदानां योजनस्य विशेष्य-विशेषणपदानां प्रत्ययानाञ्च ज्ञानप्रदानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।

तृतीयः पाठः - बालकौतुकम्

पाठपरिचयः लेखकपरिचयः नाट्यांशवाचनस्य अभ्यासः नाट्यांशस्य सरलार्थज्ञानं पद्यांशस्य सरलार्थज्ञानम् अन्वयस्य च ज्ञानप्रदानम्। नाट्यांशाधारितानां पद्यांशाधारितानां च प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासः। प्रश्ननिर्माणस्य अभ्यासः। निर्देशानुसारं रिक्तस्थानपूर्तेः अभ्यासः। समासज्ञानप्रदानम्। पाठान्तर्गत अभ्यासकार्यम्।

चतुर्थः पाठः - कर्मगौरवम्

पाठपरिचयः कविपरिचयः पद्यवाचनस्य अभ्यासः पद्यांशस्य सरलार्थज्ञानम् अन्वयस्य च ज्ञानप्रदानम्। पद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासः। प्रश्ननिर्माणस्य अभ्यासः। पाठे आगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां च ज्ञानम्। सन्धिज्ञानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।

पञ्चमः पाठः - शुकनासोपदेशः

कथाग्रन्थपरिचयः लेखकपरिचयः गद्यवाचनस्य अभ्यासः गद्यांशस्य सरलार्थज्ञानं गद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् एकपदेन पूर्णवाक्येन च अभ्यासः। पाठे आगतानां विशेष्य-विशेषणपदानां ज्ञानप्रदानम्। समासज्ञानप्रदानम्। सन्धिज्ञानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।

षष्ठः पाठः - सूक्तिसुधा

पाठपरिचयः कविपरिचयः पद्यवाचनस्य अभ्यासः पद्यांशस्य सरलार्थज्ञानम् अन्वयस्य ज्ञानप्रदानम्। पद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् एकपदेन पूर्णवाक्येन च अभ्यासः। पाठे आगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां रिक्तस्थानपूर्तेः सन्धि-प्रत्ययानाञ्च ज्ञानप्रदानम्। छन्द-अलङ्काराणां ज्ञानप्रदानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।



सप्तमः पाठः - विक्रमस्यौदार्यम्

कथाग्रन्थपरिचयः लेखकपरिचयः गद्यवाचनस्य अभ्यासः गद्यांशस्य सरलार्थज्ञानं पद्यांशस्य सरलार्थज्ञानम् अन्वयस्य च ज्ञानप्रदानम्। गद्यांशाधारितानां पद्यांशाधारितानां च प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासः। रिक्तस्थानपूर्तेः समास-समस्तपदानां विग्रहपदानाञ्च अभ्यासः। सन्धि-प्रत्ययानाञ्च ज्ञानप्रदानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।

नवमः पाठः - कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम्

ग्रन्थपरिचयः लेखकपरिचयः गद्यवाचनस्य अभ्यासः गद्यांशस्य भावार्थबोधनम्। गद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासः। रिक्तस्थानपूर्तेः अभ्यासः। पर्यायपदानां सन्धि-सन्धिविच्छेदपदानां प्रत्ययानाञ्च अभ्यासः। समास-समस्तपदानां विग्रहपदानां ज्ञानप्रदानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम्।

दशमः पाठः - दीनबन्धुः श्रीनायारः

कथाग्रन्थपरिचयः लेखकपरिचयः गद्यवाचनस्य अभ्यासः गद्यांशस्य भावार्थबोधनञ्च। गद्यांशाधारितानां प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासः। प्रश्ननिर्माणस्य अभ्यासः। पाठे आगतानां पर्यायपदानां विलोमपदानां विशेष्य-विशेषणपदानां प्रत्ययानाञ्च अभ्यासः। समास-समस्तपदानां विग्रहपदानाञ्च ज्ञानम्। पाठान्तर्गत-अभ्यासकार्यम् ।



मासिक पाठ्यक्रमस्य शिक्षण-योजना (2023-24)

कक्षा - द्वादशी

विषय: - संस्कृतम्

कोड: - 526

| मासाः | पाठ्यपुस्तकस्य नाम | पाठ्यबिन्दवः | शिक्षणस्य कालांशाः | पुनरावृत्तेः कालांशाः |
|--------|--|---|---|-----------------------|
| अप्रैल | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | प्रथमः पाठः - विद्ययाऽमृतमश्नुते मन्त्राणां सप्रसङ्गं हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च सन्धिः - सन्धेः परिभाषा भेदानां नामानि च। दीर्घसन्धिः गुणसन्धिश्च । कारकम् - परिभाषा भेदानां परिचयश्च कर्ता कारकम् छन्दः - अनुष्टुप् समासः - परिभाषा भेदानां परिचयश्च । पठितपद्यांशात् एवम् अपठितगद्यांशात् प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासकार्यम् | 5 3 5 2 1 2 2 | 2 |
| मई | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | द्वितीयः पाठः - रघुकौत्ससंवादः गद्यानां सप्रसङ्गं हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च स्वरसन्धिः - वृद्धिसन्धिः, यण्-सन्धिः समासः - अव्ययीभावसमासः कारकम् - कर्मकारकम् अलङ्कारः - अनुप्रासः छन्दः - इन्द्रवज्रा प्रत्ययः - क्त्वा, ल्यप्, तुमुन् निबन्धः - संस्कृत भाषायाः महत्त्वम् (केवलं षड्वाक्यानि) पठितगद्यांशात् एवम् अपठितगद्यांशात् प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासकार्यम् | 7 2 1 1 1 1 2 1 3 | 2 |
| जून | | ग्रीष्मावकाशेषु संस्कृतसम्बद्धगतिविधयः | | |
| जुलाई | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | परीक्षायाः कृते पुनरावृत्तिकार्यम् तृतीयः पाठः - बालकौतुकम् चतुर्थः पाठः - कर्मगौरवम् पद्यानां नाटयांशानां च सप्रसङ्गं हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च सन्धिः - अयादिसन्धिः समासः - तत्पुरुषसमासः कारकम् - करणकारकम् | 4 4 1 1 1 | 6 1 1 |



| | | | | |
|---------|--|--|---|--------|
| जुलाई | | अलङ्कार: - उपमा निबन्ध: - अनुशासनम् (केवलं षड्वाक्यानि) | 1 1 | |
| अगस्त | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | पञ्चमः पाठः - शुकनासोपदेशः गद्यानां सप्रसङ्ग हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च सन्धिः - व्यंजनसन्धेः परिभाषा भेदानां परिचयश्च कारकम् - सम्प्रदानम् समासः - तत्पुरुषस्य भेदानां परिचयः प्रत्ययः - क्त, क्तवतु अलङ्कारः - रूपकः छन्दः - उपेन्द्रवज्रा निबन्धः - प्रातः कालीन भ्रमणम् (केवलं षड्वाक्यानि) पठितगद्यांशात् एवम् अपठितगद्यांशात् प्रश्नोत्तराणाम् अभ्यासकार्यम् | 5 3 1 2 2 1 1 1 2 | 2 |
| सितम्बर | रचनात्मककार्यम् व्याकरणम् | पठितापठितावबोधनम् निबन्धः - सत्सङ्गतिः (केवलं षड्वाक्यानि) परोपकारः (केवलं षड्वाक्यानि) प्रत्ययः - मयट्, तृच्, तसि, तसिल् छन्दः - वंशस्थ अर्द्धवार्षिकी परीक्षा | 4 2 3 1 | 2 |
| अक्टूबर | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | षष्ठः पाठः - सूक्तिसुधा सप्तमः पाठः - विक्रमस्यौदार्यम् पद्यानां सप्रसङ्ग हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च सन्धिः - व्यंजनसन्धिः श्रुत्व ष्टुत्व समासः - द्विगुः, कर्मधारयः प्रत्ययः - कृदन्त - तव्यत्, अनीयर् कारकम् - अपादानम् अलङ्कारः - यमकः छन्दः - वसन्ततिलका निबन्धः - स्वच्छतायाः महत्त्वम् (केवलं षड्वाक्यानि) | 4 4 2 1 2 1 1 1 1 | 1 1 |
| नवम्बर | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | परीक्षायाः कृते पुनरावृत्तिकार्यम् नवमः पाठः - कार्यं वा साधयेयं देहं वा पातयेयम् गद्यानां नाट्यांशानां च सप्रसङ्ग हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च सन्धिः - विसर्गसन्धेः परिभाषा भेदानां परिचयश्च प्रत्ययः - शत्, शानच् समासः - बहुव्रीहिः अलङ्कारः - श्लेषः | 4 2 2 1 1 | 6 2 |



| | | | | |
|---------|--|---|--------------------------------------|--------------|
| नवम्बर | | छन्दः - मालिनी कारकम् - सम्बन्धकारकम् निबन्धः - समयस्य सदुपयोगः (केवलं षड्वाक्यानि) | 1 1 | |
| दिसम्बर | शाश्वती भाग-2 पाठाधारितं व्याकरणम् | दशमः पाठः - दीनबन्धुः श्रीनायारः पद्यानां सप्रसङ्ग हिन्दीव्याख्या अभ्यासः कविपरिचयः रचनापरिचयश्च उपपद-विभक्तयः कारकम् - अधिकरणम् समासः - द्वन्द्वः प्रत्ययः - त्व, तल् (तद्धित) टाप् डीप् (स्त्री) अलङ्कारः - उत्प्रेक्षा छन्दः - शिखरिणी निबन्धः - मम प्रियः कविः (केवलं षड्वाक्यानि) | 4 4 1 1 2 1 1 1 | 1 |
| जनवरी | शाश्वती भाग-2 रचनात्मककार्यम् | अलङ्कारः - अतिशयोक्तिः पाठानां पुनरावृत्तिः पठितापठितावबोधनं पुनरावृत्तिश्च | 1 | 9 2 |
| फरवरी | शाश्वती भाग-2 रचनात्मककार्यम् | परीक्षायाः कृते पुनरावृत्तिः पठितापठितावबोधनस्य पुनरावृत्तिः अनुप्रयुक्तव्याकरणस्य पुनरावृत्तिः | | 8 2 10 |
| मार्च | | वार्षिकी परीक्षा | | |

विशेषकथनम् -

- विषयशिक्षकेभ्यः मन्तव्यो दीयते यत् ते छात्राणां शब्दावल्याः अवधारणायाश्च स्पष्टतां वर्धनाय अध्यायेषु प्रयुक्तायाः शब्दावल्याः परिभाषात्मकशब्दानां टिप्पणीपुस्तिका सज्जीकरणाय च निर्देशितं कुर्युः ।

निर्धारितपुस्तकम् :-

- शाश्वती भाग-2 द्वादशीकक्षायाः कृते पाठ्यपुस्तकम् - BSEH प्रकाशनम्



प्रश्नपत्रस्य प्रारूपम् (2023-24)

कक्षा – द्वादशी

विषयः - संस्कृतम्

कोडः - 526

| प्रश्नानां प्रकारः | अङ्काः | संख्या | विवरणम् | पूर्णाङ्काः |
|-----------------------------|--------|-----------|---|-------------|
| वस्तुनिष्ठप्रश्नाः | 1 | 2 | 19 बहुविकल्पीयप्रश्नाः | 19 |
| अतिलघूत्तरात्मकप्रश्नाः | 1 | 7 | 4 रिक्तस्थानपूर्तिः प्रश्नाः 14 एकपदेन उत्तरत प्रश्नाः 7 पूर्णवाक्येन उत्तरत प्रश्नाः | 25 |
| लघूत्तरात्मकप्रश्नाः | 2 | 4 | 11 पूर्णवाक्येन उत्तरत प्रश्नाः | 22 |
| दीर्घ-उत्तरात्मकप्रश्नाः | 4 | 2 | 2 सप्रसङ्गव्याख्यात्मकप्रश्नाः | 08 |
| अतिदीर्घ-उत्तरात्मकप्रश्नाः | 6 | 1 | निबन्धः | 06 |
| कुल | | 16 | | 80 |